मुरली-माधुरी

अर्थात्

महात्मा सूरदास-कृत 'सूर-सागर' से मुरली पर
कहे हुए उनके समस्त पदों का अपूर्व
नवीन संकलन

संकलयिता

श्रीसत्यजीवन वर्मा एम० ए०

प्रकाशक

सरस्वती प्रेस, मध्यमेश्वर, काशी

प्रथम संस्करण] १९८४ [मूल्य ।-)